

पुण्यार्थी पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जो पुण्य प्राप्त करने की इच्छा या भावना रखता हो।

पुण्योत्कर्ष पुं. (तत्.) पुण्य की उत्कृष्टता, पुण्य की श्रेष्ठता।

पुण्योदय पुं. (तत्.) सौभाग्य का उदय।

पुतना अ.क्रि. (देश.) मकान आदि की पुताई करना।

पुतरा पुं. (देश.) पुतला।

पुतरिका स्त्री. (तद्.) कठपुतली।

पुतला पुं. (तद्.) लकड़ी, धातु, कागज, घास-फूस आदि की बनी हुई विशेषतः पुरुष की आकृति।

पुतली स्त्री. (तद्.) लकड़ी, धातु कागज, घास-फूस आदि की बनी हुई स्त्री आकृति, गुड़िया।

पुतलीघर पुं. (तद्.) वह कारखाना जहाँ मशीनों से सूत बनाया और कपड़ा बुना जाता है।

पुताई स्त्री. (देश.) 1. मकान, भवन आदि को चूने/मिट्टी आदि के घोल से पोतने का कार्य 2. उक्त कार्य करने की मजदूरी।

पुत्तलिका स्त्री. (तत्.) गुड़िया, पुतली।

पुत्ती स्त्री. (तद्.) पुत्री, बेटी।

पुत्र पुं. (तत्.) लड़का, बेटा।

पुत्रकाम विं. (तत्.) वह व्यक्ति जिसे पुत्र-जन्म की कामना हो।

पुत्रकामेष्टि पुं. (तत्.) किसी व्यक्ति द्वारा पुत्र-प्राप्ति की इच्छा से किया जाने वाला यज्ञ।

पुत्रद वि. (तत्.) पुत्र प्रदान करने वाला विलो. पुत्र प्रदान करने वाली।

पुत्रधर्म पुं. (तत्.) माता-पिता के प्रति पुत्र द्वारा निभाया जाने वाला कर्तव्य।

पुत्रभाव पुं. (तत्.) 1. पुत्र होने का भाव ज्यों. कुंडली में लग्न से पाँचवा स्थान।

पुत्रलाभ पुं. (तत्.) 1. पुत्र प्राप्त होना 2. पुत्र का जन्म लेना।

पुत्रसप्तमी स्त्री. (तत्.) अश्विन मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली सप्तमी।

पुत्रसू वि. (तत्.) पुत्र उत्पन्न करने वाली।

पुत्रहीन वि. (तत्.) वह स्त्री या पुरुष जिसके पुत्र न हो।

पुत्रिका स्त्री. (तत्.) 1. गुड़िया, कठपुतली 2. शिव के नेत्र की पुतली।

पुत्री स्त्री. (तत्.) लड़की, बेटी, सुता।

पुत्रीय वि. (तत्.) पुत्र संबंधी, पुत्र से संबंधित।

पुत्रेष्टि पुं. (तत्.) किसी व्यक्ति द्वारा पुत्र-प्राप्ति की कामना से किया जाने वाला एक यज्ञ।

पुत्रैषणा स्त्री. (तत्.) पुत्र-प्राप्ति की इच्छा/कामना।

पुदीना पुं. (फा.) एक छोटा पौधा जिसकी पत्तियाँ अत्यंत सुगंधित होती हैं, इसे पीसकर चटनी बनाई जाती है तथा इसका काफी औषधोपयोगी गुण होता है।

पुद्गल पुं. (तत्.) 1. महादेव 2. शरीर 3. परमाणु 4. आत्मा टि. जैन दर्शन के अनुसार पुद्गल के छह भेद हैं-स्पर्श, रस, गंध, वर्ण, मूर्तता एवं अचेतनता।

पुनः क्रि.वि. (तत्.) 1. फिर से, दुबारा 2. उपरांत, पश्चात्, अंतर।

पुनः अभिपुष्ट वि. (तत्.) 1. जिसे दुबारा पुष्ट किया गया हो 2. जिसकी (कथन) दुबारा पुष्टि की गई हो।

पुनः अर्जित वि. (तत्.) जिसे दुबारा अर्जित किया गया हो।

पुनः करण पुं. (तत्.) 1. दुबारा की जाने वाली जाँच 2. दुबारा किया जाने वाला परीक्षण।

पुनःकरना पुं. (तत्.+तद्.) किसी काम को दुहराना।

पुनःपुनः क्रि.वि. (तत्.) 1. कई बार 2. बार-बार।

पुनः प्राप्ति स्त्री. (तत्.) कोई वस्तु फिर से प्राप्त होना।

पुनः प्राप्य वि. (तत्.) दुबारा प्राप्त करने योग्य।